आका□ावाणी

क्षेत्रीय समाचार

देहरादून (उत्तराखण्ड)

गुरूवार 03.09.2026

समय 720

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के 26 अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को मान्यता प्रमाण–पत्र प्रदान किए।
- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा– उत्तराखंड में जल संरक्षण एवं वाटरशेड परियोजनाओं को मिलेगी गति।
- मुख्यमंत्री ने राज्य में सौंदर्यीकरण कार्य को G20 समिट की तर्ज पर 15 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश दिए।
- और...वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान ने कहा–गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में छोटी हिमनदीय झीलों से तत्काल बड़े खतरे की स्थिति नहीं।

मदरसे

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के 26 अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को मान्यता प्रमाण–पत्र प्रदान किए। उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण की ओर से देहरादून में आयोजित समारोह की थीम "नई पहचान, नया सम्मानकृआधुनिक शिक्षा से उज्ज्वल भविष्य" रही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा प्राधिकरण द्वारा शिक्षण संस्थानों को मान्यता प्रदान किया जाना अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने मान्यता प्राप्त करने वाले सभी संस्थानों के प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना समाज और राष्ट्र के भविष्य निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

श्री धामी ने कहा कि परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन वर्तमान समय ज्ञान–विज्ञान, साइंस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। बच्चों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक और रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों का उद्देश्य किसी वर्ग को निशाना बनाना नहीं, बल्कि सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रता के आधार पर बिना किसी भेदभाव के दिया जा रहा ळें

मिसाल

प्रदेश के टिहरी गढ़वाल जिले के चंबा ब्लॉक में नागराजा स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है।

समूह से जुड़ी 10 महिलाएं स्वरोजगार के जरिए न सिर्फ अपनी आमदनी बढ़ा रही हैं, बल्कि पहाड़ के स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाकर रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रही हैं।

समूह में शामिल सीमा भंडारी आज मेहनत और हुनर के दम पर 'लखपति दीदी' बनकर दूसरी महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनी हुई हैं।

इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी वरूणा अग्रवाल ने बताया कि समूह द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे कार्य बेहद सराहनीय हैं।

वोटर□ाट विकास कार्य

प्रदेश में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के लिए संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के वाटरशेड विकास घटक के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर केंद्र सरकार ने गंभीरता दिखाई है। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को प्रेषित पत्र द्वारा राज्य में वाटरशेड से संबंधित कार्यों में तेजी लाने तथा उपलब्ध केंद्रीय सहायता का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

वर्ष 2021–22 से 2025–26 के दौरान राज्य में 15 वाटरशेड परियोजनाओं को स्वीकृति दी थी।

केंद्रीय मंत्री ने अवगत कराया कि परियोजनाओं के शेष कार्यों को पूरा करने के लिए परियोजना अवधि को 30 सितंबर 2026 तक बढ़ाया गया है। उन्होंने इसे शेष प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन गतिविधियों को पूरा करने और परियोजनाओं के लक्ष्यों को हासिल करने का महत्वपूर्ण अवसर बताया है।

समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आवास विभाग के नियंत्रणाधीन समस्त विकास प्राधिकरणों की समीक्षा की। बैठक मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने मास्टर प्लान, परियोजनाओं, नागरिक सुविधाओं, सौंदर्यीकरण, पार्किंग, आवासीय योजनाओं और अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई से जुड़े प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट समय–सीमा निर्धारित करने तथा संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करने को कहा।

साथ ही जिन मास्टर प्लान एवं अन्य परियोजनाओं पर लंबे समय से कार्य लंबित है, उनमें तेजी लाने के निर्देश दिए।

श्री धामी ने प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण के कार्य को G20 समिट की तर्ज पर 15 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अगले 15 दिनों के भीतर सभी सड़कों को बेहतर स्थिति में लाये जाने के निर्देश दिए।

ग्लेशियर

नेपाल में आई भीषण आपदा के बाद प्रदेश में ग्लेशियरों पर नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में कुछ छोटी हिमनदीय झीलों के दिखाई देने और उनसे संभावित खतरे से संबंधित मीडिया रिपोर्टों के बाद उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) ने वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान से स्थिति की वैज्ञानिक जानकारी मांगी। संस्थान ने नवीनतम उपग्रह चित्रों, क्षेत्रीय अवलोकनों और ग्लेशियर की भौगोलिक एवं जलवैज्ञानिक परिस्थितियों के आधार पर स्पष्ट किया है कि फिलहाल इन छोटी झीलों से किसी बड़े तात्कालिक खतरे की स्थिति नहीं है।

संस्थान के अनुसार गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में दिखाई देने वाली अधिकांश छोटी ग्लेशियल झीलें अस्थायी प्रकृति की हैं और इनमें जल की मात्रा भी कम होती है। इनका निर्माण मुख्यतः ग्लेशियर की सतह पर बर्फ पिघलने से बने छोटे–छोटे अवसादों में पानी के अस्थायी रूप से जमा होने से होता है। संस्थान के मुताबिक गंगोत्री क्षेत्र में देखी गई झीलों का आकार अपेक्षाकृत छोटा और जल आयतन बहुत कम है। इनमें बड़े हिमनदीय जलाशयों की तरह भारी मात्रा में पानी संचित होने की क्षमता नहीं है। उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इनसे अचानक बड़े पैमाने पर बाढ़ अथवा ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी गंभीर आपदा का तत्काल खतरा नहीं पाया गया है।

मौसम

मौसम विभाग ने आज राज्य के कई जिलों में भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की है। राजधानी देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल, चम्पावत,

उधमसिंहनगर, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों में कहीं–कहीं गरज–चमक के साथ तेज से बहुत तेज बारिश होने का अनुमान है।

विभाग ने कल नैनीताल, चंपावत, देहरादून, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर में भी भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया।

इस बीच मौसम विभाग लोगों से संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाओं तथा निचले इलाकों में जलभराव की संभावना को देखते हुए सावधानी बरतने की अपील की। साथ ही मौसम का पूर्वानुमान देखकर ही यात्रा करने की सलाह दी है।

समाचार पत्रों की सुर्खियों से–

आपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय वायुसेना के पूर्व एयर मार्शल जितेन्द्र मिश्र को श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पहला मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाये जाने की खबर को सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है– दैनिक जागरण लिखता हैं पूर्व एयर मार्शल जितेन्द्र मिश्र बने राम मंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ वहीं अमर उजाला की खबर हैं सिंदूर के सेनानी को रामलला मंदिर की कमान, चंपत की जगह गोविंद देव।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हवाले से हिन्दुस्तान ने लिखा– मदरसों के छात्र बनें डॉक्टर, इंजीनियर,। मसूरी गोलीकांड की 32वीं बरसीं पर शहीदों को नमन नवोदय टाइम्स की खबर हैं। इसी पर हिन्दुस्तान मुख्यमंत्री धामी के हवाले से लिखता हैं राज्य आंदोलन कारियों की भावनाओं के अनुरूप काम कर रही सरकार।